

DPN 6339

Title : मन्त्र व वासः MANTRA VA VASA#

Run. No. 7030

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र व वासः
mantra & medicine

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20.5 x 9

Folios 9

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

डा. कमल प्रकाश मल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamal Prakash Malla

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. / ✓

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu / ✓

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / ✓

Beginning, colophon, post-colophon :

20

15

10

5

0

CMS

5

10

15

20

25

30

यथा क्रातुयमाजः श्रुतसुः । दंसस्यसि कविश्रुतिदाहः ।
विश्वविभिरसिः सातनः स्वातनः । कलिनकोनमिस्वसुननः ।
सातनः जगन्मसः कलिनकोननकः । सातनमदक्यादयि वसः ॥
यिगः सातनायदा ॥ ७ ॥ । सतानः ननमयि यकीचसः ।
जगन्मसमसकाः स्वयननस्यया । थातसगस्यः सातनवसः ॥
हसिः सडलः । मयूत्रासकाः सातनायदा ।
सर्वस्यसि कविश्रुतिदाहः । वासायादकनमस्यसातनकः ।
यिगः सातनायदा । सातनमदक्यादयि वसः ॥
सिकसातनायदा ॥ सातनायदा ।

शुभावनया

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

यित
स
वाकि

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

५ म

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

या

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

कृत्वाः सा हतः आदसः सुकम्यातः
नवदः त्रैखतन्यसीतादः ॥ यित
शुभमसर्पिहदिनगथनठि व ॥

धम

१ दाहनाय ध्याता ॥ वात्र ॥
 काथयत्र ॥ कुसत्रहा ॥ श्रीराम
 धादु नैषसनेसीमानके ॥ दा
 हात्राययाः धरुननादव ॥

१ धिगायाता ॥ धूर्कः ॥ उदयु ॥
 धादुः कसुत्रः नैषननस्य
 साधननरुस्यमानकेः यित
 नाववः नृसिंजितरिड ॥

१ गत्र ककुजाध्याता ॥ काथयत्र ॥
 जगामसिः यिथहा ॥ धर्मे गत्रीषन
 न्यस्य ककुसयास्ययतिमहात्रः
 वात्रावयिद ॥ ॥

१ सत्रासत्रानय्यास्याकध्याता ॥
 तं दुत्रिः रुत्रदः रिदः यासुनामृत्र ॥
 स्यधः सुवाकृत्रः वेदविः तं कृनिवा
 तिसहास्यमानरिड ॥

सत्रासत्रानय्यास्याकध्याता

१ सुत्रिः यमस्रि ॥ काकनीष
 सहास्यदुनकेः सहायाज
 त्रिमिदज्ञननकरि ॥

१ नैषयादमं छिद विदुयाः
 धर्द रिदव ॥ ७ ॥
 १ वात्रः सुसुत्रिः नैषन
 नस्यननके ॥ स्युनयं किं
 नवनकदिन ३ या विनास ॥

१ गत्र तुत्रियाता ॥ सहदयिः क
 नविद ॥ सुसुत्रः धमिचकुनया
 याववात्रन ॥ धनसज्ञनडावगत्र
 तुत्रिनादव ॥

१ सुत्रात्रहा ॥ मत्रयवद ॥ न्यस्य
 तं रुसमवनकयाय ॥ दिन ३
 याकसुत्रुविवात्रक ॥ यविदि ॥

सुविवात्रक ॥ य

नव
क
प

धा
या

गत्र

सुत्र

३

कथा १यतिहाः व ककु याः ज्ञया मा
गहाः रुतः सिधतः सधः रु
सयात्रा॥ यकं घनः ककु कस
नाव प्रथकं मरु स्या नया
वयाय हिद ॥ ~ ॥

मात्र १गमथयत्रं सहा॥ तिसिधात्र॥
त्रं घनतस्ययाय॥ मुठक
कु नास ॥ ॥

१जमुतासहाः नं सहा सीता न
गुर्कं उ तिम जिव या जिविव ॥
खत्ररु कनायाय मात्र॥ हं कृपना ता
१हितव व ककु या जगु ॥ अकन ॥
सिधतः सधः यस॥ यकं घन हि
हितव क ककु या मना हि न
मर्मरायका समन व ॥ • ॥

दिव व ककु या

माक १यासन भादक यकं माद क
कु नास ॥

जसवि १यावद्वधत्रहा॥ जसवस्य
जास्य ॥ जत्र हि निनायना
स॥ १संवात्र म्मावस इध
कनु स्य जत्रयजव
नास ॥ १.३ ॥

श्रवतिः

१धात्रया जगुस॥ वकनः देवदा
त्रया॥ सधनासः स्यत्र॥ धनिव
कषुनः याय किन कृयात्रं गकः
नन कयाय ॥

१धात्र ककु या जगु ॥ काक ठुहा
वृतावयाय॥ धर्हि हिद ॥

१कनयं सु सिधत जतनयाः
वः धात्र उ व ख ॥

ता

हि

धा

ध

धा

श्री १ श्रावयाः पुत्रक ७ ॥ नयाय ॥
 जं विनमं गगदाव तु तिन दू
 स आनज यत्र यं ककु सयायः
 धतिन गाडा ख ॥

माका १ सिकभावाका ॥ नक्रमना
 याहाः ७ ॥ सिसूदु ७ ॥ किगमु
 नं कदसा यिवः मासकू ७ ॥ मरु
 यकयाहिमननयति सुके वनसु

१ कायडन याडाः थं कदा
 श्रात के यायः श्रावसधुयं सम
 रुसहि ७ दिन ३ नय तिकादवष
 किहं मद वधन ॥

१ यावाशः रुत दः आयुर्म ॥ धर्ष
 गा न वन नसी याहः दिन क्रीया
 लीं मरिह हि ज्ञानसुवा रीरिडा
 दिन द्रसा कया

घान

हिंसा

१ यसाय ककु याडा ॥ लहोसः
 खकडा ७ ॥ माहन दिहाक हा
 मत्रः साइइ ननसी ककु सया
 इयसा यनास ॥

धुक १ धुत्र यायडा ॥ म्मात न्वत्रस्य
 याहाः ७ ॥ ननसी यायधुयश
 थं कदान थुक थायसः रवा
 न के याय

१ गुडगुः मत्रव यउ ३ त्या याव
 काक नष सुहासी ताहः रुसन
 र्थागस्या र्थागहतिन र्थागस्या न
 रिहः दिन युति ॥

१ सिभाव ककु याडा ॥ ज्या
 मार्गहाः धतकहाः सुसूडन
 न के सिभाव ककु नासः केकु

द्रासा

सिक

॥ पु क म्मा न नू य क म्म नः य न य् य म्म निः ॥ ॐ ह्रीं मि नः सा
रा ॐ न व दियानः ॥ ॐ क्का तान मं स ग सा कू उ ३ षू ठः ध न
म र्द न या दः सा हा नः ॥ अथा आ थि हा व या य नि वः यि र्ह का
व याः कू षू याः क कू याः ३ ह म थ ॥ सु
मं सु ग य सः या व इ थ नः ॥ अ न उ याः मा नः हा नः ॥ ॐ या वः
वृ थि नः हा सः नि हाः हा या ॐः थ य स इ थ नः थ न थि थः
य न य् न कं ॥ म य् का था न नः हि ठु हि न ॥ हा म न थ न
द न र्द म्मा क य थि क न

क न य् १ म न का य केः कं स र दा सः हा य केः ॐ क नः
थ व न न य न या द न ॥ **क न र्द म्मा क य थि क न**
ना हा या वा स न र्द म्मा क य थि क न ॥ सि थ हा कः ॐ २ ता नः
मं स ३ य् १ थ क न षू ठः य न या द ॥ हि क कू या ॥ ॐ ना
य ल षू यः ॥ न य न केः म जि व या ॥ ॐ ना र्द व या थ न व ठः
मं ॥ **मं मि न्वा य या ॥ ॐ ह्रीं म्मा क य थि क न**
वा थि थ क द र्द म्मा क य थि क न ॥ ॐ य दू थि नाः ॥

चात्रसाधवासरान्माउरुयक ॥ जयादायात्रकामहि
आत्रमिसुत्रिहयंककृयावःचूनयादलखननस्य
तानक ॥ धननहायवावनाय ॥ धनुनीत्रकामयाक
नीमिनवःवसायाहियुनीनवःतवःनहनहायाहियु
लंगवःधनसुक्तगाः **क्रासथदिकनायनास ॥**
रतानमस ३३ कनयुर षडः निरात्रसचाहावःनयन
याहन ॥ मययाःयात्रमययाः **क्र** नयस्याकयाःधन
सुडलम ॥ ॥ यावदधुयाहलःनूचकनयःयसा

हाय
या
दु
रु
रुका
म
वा
विक

धनयुःवकनयुःधनितसक्तगाषडःधननयनया
द ॥ तुकिःखात्रःयात्रमययानाय ॥ **रातसियाहमस ३३**
युवयाःहामसःमत्रवयउ २१ धनतागनचूनया
दःलखननस्यलखजुष्टा २ युमानलनयः॥ आत्रिकि
मागमास्वानःकात्रिका ४ कामालीदविःसिद्धिउत्रुजाला ॥
धममुनअत्रेजायनयःतानकयात्रःकालसःवरकि ॥
मडःउडववयाःजयचात्रयाउलमथ ॥
मदःउडववयाःजयचात्रयाहि

विड
वय

अभि १ साहायः अथिः आय हाव या ॥ शु क म्या न ॥ त्र य क ग न ॥ य
x त्र य यामनः ०० छि मा नः सौ ला अ नः व दि या नः छि २ ता नः
मंस ३ व क न कू उ १ य २ ष्टः ध न म र्द न या ढ न ॥ ७ ७ ॥
० न सु थि यु १ त र व कू उ १ त या व ना ख सु त र्क म नः थ
० न सु थि यु २ व क नः ना य ष्टः त य न या ढ ॥ मं य
मं य व व याः ना व र व ॥ ० ॥ अ न उः क्रा ० दाय यु १
थ अ न उ वः अ उ दा वा कू यु १ त र्क न यः थ वा स नः अ ष्टा

विक्र
सा दा
हा या
विक्र
मं य
या

उमि सुः ध उ थ वा २ क्रा ढ ता न क ॥ ० मं य या ना व ॥ ॥ वा
मं य उ थाः गु उ गु १ ग थ यु सा न निः को र व उ या हाः स्य रा
य म ग ल र व न न र्कः आ त स या य ॥ य त मं य या ना व ॥ ॥
१ ह न उ न य र वा दा ह न विः व ह न उ अ म नः शी र व गु
न र्क व न न ज ता मा सि त्र य क ग नः य त्राः क सु नः
क य नः न कीः जि त र ता नः कू स न ताः छि २ ता नः मंस
कू उ १ व क न ष्टः या ख व ड व त सः थ वा ग न र्क यः

आ न
मं य
या

तुवा धनत्रयनयाड ॥ नर्क वात नास ॥ ७ ॥
एष नर्मयया निर्मत्रयूः धनसुत्र ॥ सितखात्र जायता
सू कृत्रकिः गकिः काय २ नायः कानत्र २ मय कर्मनः
जितखात्र जा क वायः काजा काहिन क निर्हात्र स यास्यः
का नून क नावः व क धत्र नः रुठ विस्यः श्रु विठ मंस
याथ सु किं वृ कि न क ॥ ~~यानर्मयया~~ मिन वृ कयाः का क नय
कयाः विकी सा ॥ न्या ~~यानर्मयया~~ ॥ वात्र विहायाः वृः वा नाव
का क या

धिक
काथ
मद
याव
तय
सिवा
मिन
य

पायः जयवाः कृन्त ~~यानर्मयया~~ ॥ नाय
याः याः हान मान रुत्र न नस्य पाय ॥ मिन वृ कयाः
का क नय क याः हिठ ॥ रु स्या कय क सियावः धक्
स्या वृ नयाड निस्य रीय ॥ मिन वृ कयात्रः तव का रुव
मिन् याः कि द न नाव श ॥
नरु १ जय नादिता हाः यात्रः रुत्र उः यु ला उः मरुः जम
नयाम्नः वनकः स्या नाः मंस ३ धक नय १ वृदः ध

20

15

10

5

0

न न न न या ॥ न्या क व घा न या ॥ या ५ या रा हा न ॥ वा
न २ ग ह यो ॥ न २ ३ हि न यो ॥ स्मृ घा न या ॥ क कृ यो ॥
उ ह म थ ॥ न य ॥ जा व ॥ इ इ व आ का तु न व थ वा सु न या न य ॥
१ ला नृ या हि पृ ती ॥ चू ना व वू य क ॥ स्व य न हा क या ना व ॥
१ अ च य न क या रु ॥ न सी ॥ घा न स या य ॥ दि न हा क या ना व ॥
१ का क न या वा न ॥ सु क ह न व ॥ अ च य न क या रु नि व ॥ ज न
भा हा ना न व ॥ थ नि स कृ न ॥ न ना व या य ॥ वि न न हा क या ॥

प्राप्ति
नय

नय

विन
दा के

धिरा

भा हा ना

वि न न

CMS

5

10

15

20

25

30